

  
**भारत का राजपत्र**  
**The Gazette of India**

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 71]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 14, 1971/चैत्र 24, 1893

No 71]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 14, 1971/CHAITRA 24, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

*New Delhi, the 14th April 1971*

G.S.R. 532.—The following Order by the President is published for general information:

ORDER

I, V. V. Giri, President of India, by virtue and in the exercise of the power vested in me under article 174(2)(b) of the Constitution of India, read with the Proclamation, G.S.R. 457 dated March 27, 1971 issued by me under article 356 of the Constitution of India, do hereby dissolve the Mysore Legislative Assembly with immediate effect.

New Delhi  
The 14th April, 1971.

V. V. GIRI,  
PRESIDENT.

[No. F.29/2/MS/71-Pol(K).]

New Delhi,  
The 14th April, 1971.

GOVIND NARAIN, Secy

## गृह मंत्रालय

## अधिवृत्तना

नई दिल्ली, 14 अप्रैल, 1971

जी० एस० आर० 532.—रा. दूताति द्वारा जारी किया गया निम्नलिखित आदेश सर्वसाधारण के सूचनार्थ प्रकाशित किया जा रहा है :—

## आदेश

मैं, व० वे० गिरि, भारत का राष्ट्रपति, भारत के संविधान के अनुच्छेद 356 के अधीन अपने द्वारा जारी हो गई उद्घोषणा सा० का० नि० 457, तारीख 27 मार्च, 1971 के साथ पठित, भारत के संविधान के अनुच्छेद 174 (2) (ब) के अधीन स्वयं में निहित शक्ति के आधार पर और उसका प्रयोग करते हुए मैसूर विधान सभा को एतद्वारा तुरन्त विघटित करता हूँ।

नई दिल्ली,  
14 अप्रैल, 1971

व० वे० गिरि,  
राष्ट्रपति।

[संख्या फा० 29/2/मैसूर/71-पोष (के)]

नई दिल्ली,  
14 अप्रैल, 1971

गोविन्द नारायण,  
सचिव।